बैंक ऑफ़ इंडिया
Bank of India

वार्षिक रिपोर्ट 2018-19
ANNUAL REPORT 2018-19

नए क्षितिज की ओर
Moving Towards Orbit Next

निदेशक मंडल / Board of Directors

श्री एन. दामोदरन (कार्यपालक निदेशक), श्री डी. हरीश, श्री देबब्रत सरकार, श्रीमती वेनी थापर, श्री दीनबंधु मोहापात्रा (एमडी और सीईओ), श्री जी. पद्मनाभन (अध्यक्ष), श्री. एस. सी. मुर्मू, श्रीमती दक्षिता दास, श्री सी. जी. चैतन्य (कार्यपालक निदेशक), श्री ए. के. दास (कार्यपालक निदेशक)

Shri N Damodharan (Executive Director), Shri D Harish, Shri Debabrata Sarkar, Ms. Veni Thapar, Shri Dinabandhu Mohapatra (MD & CEO), Shri G Padmanabhan (Chairman), Shri S C Murmu, Ms. Dakshita Das, Shri C G Chaitanya (Executive Director), Shri A K Das (Executive Director)

बैंक ऑफ इंडिया / Bank of India

(भारत सरकार का उपक्रम),
(A Government of India undertaking),

प्रधान कार्यालय:
स्टार हाउस, सी-5, जी ब्लॉक,
बांद्रा-कुर्ला काम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व),
मुंबई - 400 051.
फोन : 022 - 6668 44 44
ई-मेल : HeadOffice.share@bankofindia.co.in
वेबसाइट: www.bankofindia.co.in

Head Office :
Star House, C-5, G Block,
Bandra-Kurla Complex, Bandra (East),
Mumbai - 400 051.
Phone : 022- 6668 44 44
E-mail : HeadOffice.share@bankofindia.co.in
Website : www.bankofindia.co.in

महत्वपूर्ण सूचनाएँ		Important Information	
ई-वोटिंग तिथियां	24 जून, 2019 सुबह 10.00 बजे से 26 जून, 2019 शाम 5.00 बजे तक	E- Voting dates	24th June 2019 10 a.m. to 26th June 2019 Till 5.00 p.m.
लेखाबंदी तिथि	24 जून, 2019 से 27 जून, 2019	Book Closure	24th June 2019 to 27th June 2019
वार्षिक आम बैठक तिथि एवं समय	गुरुवार, 27 जून, 2019 सुबह 10.30 बजे	Date & Time of Annual General Meeting	Thursday 27th June 2019 at 10.30 a.m.
वार्षिक आम बैठक का स्थान	बैंक ऑफ इंडिया ऑडिटोरियम स्टार हाउस, सी-5, जी ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला काम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051.	AGM Venue	Bank of India Auditorium, Star House, C-5, G Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai - 400 051.

विषय सूची

Contents

अवलोकन Overview

2 सांविधिक लेखा परीक्षक
2 महाप्रबंधक
3 अध्यक्ष का संबोधन
5 प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का वक्तव्य

2 Statutory Auditors
2 General Managers
3 Chairman's Statement
5 Managing Director & CEO's Statement

सांविधिक रिपोर्ट Statutory Reports

9 निदेशक रिपोर्ट
15 प्रबंधन विचार - विमर्श एवं विश्लेषण
43 कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व रिपोर्ट
45 कॉरपोरेट शासन रिपोर्ट
65 सचिवीय लेखा-परीक्षा रिपोर्ट (फार्म MR-3)
70 सीईओ/सीएफओ प्रमाणीकरण
70 मुख्य कार्यपालक अधिकारी की घोषणा
193 बासेल-III (स्तंभ 3) - प्रकटन
248 आम बैठक की सूचना

12 Directors' Report
30 Management Discussion & Analysis
43 Corporate Social Responsibility Report
45 Corporate Governance Report
65 Secretarial Audit Report (Form - MR-3)
70 CEO/CFO Certificate
70 Declaration by CEO
221 Basel-III (Pillar 3) - Disclosures
248 Notice of Annual General Meeting

वित्तीय विवरण Financial Statements

72 तुलनपत्र
73 लाभ एवं हानि खाता
74 नकदी प्रवाह विवरण
82 महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ
94 खातों के भाग स्वरुप टिप्पणियां
133 स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
141 समेकित वित्तीय विवरण

72 Balance Sheet
73 Profit & Loss Account
74 Cash Flow Statement
82 Significant Accounting Policies
94 Notes Forming Part of Accounts
133 Independent Auditor's Report
141 Consolidated Financial Statements

सांविधिक लेखा परीक्षक Statutory Auditors

मेसर्स एनबीएस एण्ड कंपनी	M/s. NBS & Company
मेसर्स बंशी जैन एण्ड एसोसिएट्स	M/s. Banshi Jain & Associates.
मेसर्स चतुर्वेदी एण्ड कंपनी	M/s. Chaturvadi & Company

महाप्रबंधक General Managers

देवेंद्र शर्मा (सी.वीं,ओ)	DEVENDRA SHARMA (CVO)
एस.आर मीणा	SHEOJI RAM MEENA
रमेश चंद ठाकुर	RAMESH CHAND THAKUR
प्रसाद अंबादास जोशी	PRASAD AMBADAS JOSHI
राज कुमार मित्रा	RAJ KUMAR MITRA
सुदीप्त कुमार मुखर्जी	SUDIPTA KUMAR MUKHERJEE
रवि प्रकाश गुप्ता	RAVI PRAKASH GUPTA
अरविंद वर्मा	ARVIND VERMA
विश्वनाथ गुंटा	VISWANATH GUNTA
स्वरूप दासगुप्ता	SWARUP DASGUPTA
एस. रवि कुमार जोयसुला	S RAVI KUMAR JOSYULA
सलिल कुमार स्वाईं	SALIL KUMAR SWAIN
देवेंद्र पाल शर्मा	DEVENDER PAUL SHARMA
के. राजारमन	K RAJARAMAN
अरूण कुमार मण्डल	ARUN KUMAR MANDAL
सुनील कुमार रेलन	SUNIL KUMAR RELAN
गौर हरि सारंगी	GOURA HARI SARANGI
अजय कुमार साहू	AJAY KUMAR SAHOO
चंद्र शेखर सहाय	CHANDRA SHEKHAR SAHAY
शंकर प्रसाद	SHANKER PRASAD
अरूण कुमार जैन	ARUN KUMAR JAIN
राघवेंद्र के वी	K. V. RAGHAVENDRA
एम नसीम अहमद अंसारी	M NASEEM AHMED ANSARI
मनोज दास	MONOJ DAS
सुरेश कुमार वर्मा	SURESH KUMAR VERMA
लाल बृज	LAL BRIJ
विवेक वाही	VIVEK WAHI
प्रकाश कुमार सिंहा	PRAKASH KUMAR SINHA
बी विजय कुमार ए	B VIJAYAKUMAR A
अभिजीत बोस	ABHIJIT BOSE
अशोक कुमार पाठक	ASHOK KUMAR PATHAK
मकरंद दिवाकर अत्रे	MAKARAND DIWAKAR ATREY
शरत कुमार मिश्र	SARAT KUMAR MISHRA
सुधीरंजन पढ़ी	SUDHIRANJAN PADHI
शिव प्रकाश काली	SIVA PRAKASH KALI
अमित रॉय	AMIT ROY
खुर्शीद अनवर	KHURSHEED ANWAR
श्रीपद डी. एस. कारापूरकर	SRIPAD D. S. CARAPURCAR
ईश्वर चंद्र मिश्र	ISWAR CHANDRA MISHRA
पुंडरीकाक्ष्य दाश	PUNDARIKAKSHYA DASH
अजीत कुमार मिश्र	AJIT KUMAR MISHRA
बलदेव कुटर	BALDEO KUTAR

अध्यक्ष का संबोधन

Chairman's Statement

प्रिय शेयरधारकों और हितधारकों,

1. वैश्विक वृद्धि के मजबूत होने की आशा के भरोसे पर वर्ष 2018-19 आरंभ हुआ । परंतु व्यापारिक तनावों के बढ़ने, यूरोप में आर्थिक व्यवधानों, चीन एवं विकसित राष्ट्रों, विशेष रूप से अमेरिका में वित्तीय कड़ाई के बढ़ने के कारण, वर्ष के दौरान धीरे-धीरे आर्थिक एवं राजनीतिक परिस्थितियाँ बदलीं। निरंतर, सेन्ट्रल बैंक ने वैश्विक धीमेपन को दूर करने के लिए वर्ष के अंत में वित्तीय कड़ाई पर रोक लगाई।

2. कृषि तथा औद्योगिक वृद्धि में कमी के कारण घरेलू आर्थिक विकास धीमा हुआ । वित्तीय वर्ष 2018-19 के प्रथम अर्ध-वर्ष में भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा कड़ी मौद्रिक नीति अपनाई गई परंतु बाद में रेपो रेट में कमी करने के माध्यम से उक्त नीति में ढिलाई बरती गई ।

3. बैंकिंग उद्योग में वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, जमा तथा अग्रिमों की वृद्धि उच्च थी, विशेष रूप से अग्रिमों में 13.2% की वृद्धि दर्ज की गई जो पिछले वर्ष 10% थी । सकल एनपीए अनुपात तथा सरकार द्वारा पूंजी प्रदान करने से सी.आर.ए.आर के कारण सुधार से भारतीय बैंकिंग उद्योग का प्रदर्शन भी सुधरा ।

4. निश्चित रूप से कुछ क्षेत्र विशेष से संबन्धित मामले थे । आई.एल. एवं एफ. एस. के चूक के बाद एन.बी.एफ.सी क्षेत्र को बहुत अधिक चल निधि (लिक्विडिटी) की कमी का सामना करना पड़ा । आर्थिक दवाव के कारण एम.एस.एम.ई. क्षेत्र को भी नकदी प्रवाह की समस्या का सामना करना पड़ा । इन क्षेत्रों की वास्तविक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आरबीआई तथा बैंकों ने इस समस्या को दूर करने के लिए समझौता परक रवैया अपनाया।

5. इस वर्ष सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का समेकन भी हुआ। बैंक ऑफ बड़ौदा, विजया बैंक तथा देना बैंक का विलय हुआ। इसके परिणाम स्वरूप भारतीय बैंकिंग उद्योग में चौथा सबसे बड़ा बैंक सृजित हुआ। इससे सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच यह संकेत गया कि उन्हें भी ऐसी स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। इस परिवर्तन को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए अवसर के रुप मे देखना आवश्यक है ताकि वे अपने बीच सिनर्जी पैदा करने के लिए अपने अंदर विद्यमान शक्ति की तलाश करें।

Dear Shareholders and Stakeholders,

1. The year 2018-19 started on a promising note with expectation of strengthening of global growth. However, the economic and political scenario during the year changed gradually, with escalation of trade tensions, economic disruption in Europe and financial tightening in China and developed countries, especially the USA. Consequently, central banks paused on monetary tightening towards end of the year, to ward off a possible global slow-down.

2. The Domestic economic growth, decelerated on account of lower agriculture and industrial growth. The tight money policy pursued by the RBI in the 1st half of FY 2018-19 later gave way to relaxation in policy stance by way of reduction in repo rates.

3. The deposits and advances growth rate of the banking industry during FY 2018-19 was higher, particularly advances grew by 13.2% on the top of 10% growth rate of previous year. The performance of Indian Banking industry also improved with improvement in Gross NPAs ratio and CRAR, with Capital infusion by the Government.

4. Of course, there were sector specific issues. The NBFC sector faced severe liquidity crunch, after the default of IL & FS. The MSME Sector also faced cash flow problems because of economic stress. RBI and banks, realizing the genuine need of these sectors, had to adopt an accommodative stance to alleviate their problem.

5. The year also saw the consolidation of PSU Banks, with the merger of BOB, Vijaya Bank and Dena Bank, which created fourth largest Bank in Indian Banking space. This also sent a signal to all the PSU Banks that they should be in readiness for such an eventuality. This move needs to be seen as an opportunity for PSBs to explore their inherent strength for creating a synergy amongst them.

6. जैसे ही वर्ष के दौरान पीएसयू बैंकों की रेंकिंग जारी की गई, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के ईज़ (Ease) रिफॉर्म एजेंडा की महत्ता और भी बढ़ गयी । एक प्रकार से ईज़ रैंकिंग के कारण डिजिटलीकरण प्रक्रिया में तेजी आई है तथा 'जिम्मेदार बैंकिंग', 'ग्राहक प्रतिक्रिया' इत्यादि की दिशा में सही व्यवस्था एवं प्रक्रियाएँ स्थापित करने में तेजी आई है।

7. वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान उच्चतम न्यायालय द्वारा आरबीआई अधिसूचना, दिनांक 12/02/2018 का खारिज किया जाना एक महत्त्वपूर्ण बात थी जिसमें दबावग्रस्त आस्तियों का 180 दिनों के अंतर्गत समाधान किया जाना अनिवार्य था। और ऐसा न करने पर ऐसे मामलों को आईबीसी के तहत कार्रवाई करने हेतु एनसीएलटी को सौंपा जाना था। वर्तमान में उद्योग को खराब ऋणों की सुधार की प्रक्रिया पर निदेश और स्पष्टता उपलब्ध कराने हेतु केन्द्रीय बैंक से संशोधित दिशानिर्देश की अपेक्षा है।

8. भविष्य में बैंकिंग जगत में आईटी और प्रौद्योगिकी का अत्यधिक महत्व होगा। आईटी प्लेटफॉर्म को अपग्रेड करना और कारोबार विकास एवं ग्राहक आधार को लक्ष्य बनाने हेतु डाटा एनालिटिक्स का उपयोग अत्यधिक महत्वपूर्ण होगा।

9. बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में फिन-टेक सोल्यूशंस का प्रयोग, जैसे पेमेंट सिस्टम, एसएमई व रिटेल ऋण, बीमा, संपत्ति प्रबंधन इत्यादि की महत्ता और भी बढ़ गयी है। फिन-टेक एवं वित्तीय संस्थाओं के बीच के रिश्ते की पूरक एवं सहकारी प्रकृति के कारण हम इस क्षेत्र में अपार वृद्धि की अपेक्षा कर सकते हैं।

10. आपके बैंक ने वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान अपनी स्थिति समृद्ध की और अल्पतम समय में पीसीए से बाहर आया है। वित्तीय सूचकों जैसे एनआईएम एनपीए अनुपात, सीआरएआर में सुधार हुआ है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बैंक ने वित्तीय वर्ष 2018-19 की चौथी तिमाही में रू 252 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया है। बड़े खातों, जिन पर आईबीसी के तहत कार्रवाई की जा रही है, के अपेक्षित समाधान से वित्तीय वर्ष 2019-20 में बैंक की वित्तीय स्थिति और भी सुदृढ़ होगी।

धन्यवाद

(जी. पद्मनाभन)
अध्यक्ष

6. The EASE Reforms Agenda of the Ministry of Finance, Government of India, further gained ground as the Ranking of PSU banks was rolled out during the year. The EASE ranking, in a way, has hastened the process of digitalization and establishing the right kind of set up and processes in the direction of 'responsible banking', 'customer responsiveness' etc.

7. One of the important development during FY 2018-19 has been the Supreme Court's squashing of RBI Notification dated 12th February, 2018, which mandated resolution of stressed accounts within 180 days failing which they were to be referred to the NCLT to be dealt under IBC. At present, the industry waits revised guidelines from the central bank to provide a direction and clarity to the process of bad loans clean up.

8. IT and Technology is going to be the cutting edge in banking space in future. Along with the upgradation of IT platform, the use of data analytics for business development and better targeting of clientele base will be of immense significance.

9. The use of Fin-tech solutions in banking in various fields, be it payment systems, SME and retail lending, insurance, wealth management etc., has assumed greater importance. Because of complementarity and cooperative nature of relationship between the Fintech and financial institutions, we can visualize an exponential growth in this field.

10. Your Bank, during FY 2018-19, has consolidated its position and has come out of PCA in the shortest possible time. There has been improvement in financial indicators like NIM, NPA ratios, CRAR and above all the Bank has posted a net profit of Rs.252 crore in Q4 FY 2018-19. With expected resolutions of large accounts which are being dealt with under IBC, the financial position will further strengthen in FY 2019-20.

Thank you

G. Padmanabhan
Chairman

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का वक्तव्य
Managing Director & CEO's Statement

प्रिय शेयरधारकों और हितधारकों,

1. सबसे पहले मैं आप सबका आपके बैंक की 23 वीं वार्षिक आम बैठक में हार्दिक स्वागत करता हूँ। 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट लगातार तीसरी बार प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यधिक प्रसन्नता है।

2. वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, वैश्विक और घरेलू दोनों ही अर्थव्यवस्थाओं ने अपेक्षा से कम वृद्धि दर्शाई। वैश्विक आर्थिक वृद्धि 2017 में अपने चरम बिन्दु 3.8% पर पहुँचने के बाद, चीन और अमेरिका के बीच व्यापार संबंधी तनाव की निरंतरता, जर्मनी में मांग को प्रभावित करने वाले विनियामक वाहन उत्सर्जन मानदंड, और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में कठोर मौद्रिक एवं वित्तीय स्थिति जैसे विभिन्न कारकों के समागम के कारण 2018 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि की गति धीमी हो गई। आईएमएफ ने 2018 में वैश्विक वृद्धि दर के 3.6% होने का अनुमान लगाया है। वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान, घरेलू अर्थव्यवस्था ने भी विकास दर में गिरावट दर्शाई तथा मुख्य रूप से कृषि और विनिर्माण क्षेत्र में दर्ज की गई निम्न वृद्धि दर के कारण जीडीपी विकास दर पहली तिमाही की 8% वृद्धि दर से घटकर तीसरी तिमाही में 6.6% रह गई। वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, खाद्य वस्तुओं की कीमत में कमी के कारण मुद्रास्फीति में गिरावट नज़र आई तथा सीपीआई मुद्रास्फीति मार्च 2018 की 4.28% से घटकर मार्च 2019 में 2.86% रह गई।

3. वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, बैंकिंग क्षेत्र में जमा और अग्रिम दोनों की वृद्धि मजबूत रही। वर्ष के दौरान जमाराशि वित्त वर्ष 2017-18 की 6.2% की तुलना में 10.0% तक बढ़ी। इसी प्रकार, अग्रिम भी वित्तीय वर्ष 2017-18 के 10.0% के मुकाबले 13.2% तक बढ़े। सरकारी प्रतिभूति बाजार, जो वर्ष 2018-19 की पहली छमाही के दौरान उच्च रहा, दूसरी छमाही के दौरान थोड़ा मंद रहा। आरबीआई ने उच्च मुद्रास्फीति होने की संभावना पर वर्ष की पहली छमाही के दौरान रेपो दर को दो बार बढ़ाया, परंतु बाद में मुद्रास्फीति में गिरावट आने के कारण आरबीआई ने एसएलआर को जनवरी, 2019 के 19.25% से अप्रैल 2020 तक 18.00% तक क्रमिक रूप से घटाने का निर्णय लिया है, जो सिस्टम में लगभग ₹ 1 लाख करोड़ से ₹ 1.5 लाख करोड़ तक की चलनिधि डालेगा।

Dear Shareholders & Stakeholders,

1. At the very outset, I extend a very warm welcome to each one of you to the 23rd Annual General Meeting of your Bank. I have great pleasure in placing before you the Annual Report of your Bank for the year ended March 31, 2019, for the third consecutive times.

2. During FY 2018-19, both the Global as well as Domestic economy witnessed a lower than expected growth. The World Economic growth, after reaching its peak of 3.8% in 2017 lost pace in 2018 due to a confluence of diverse factors such as continuing trade tensions between China and USA, regulatory vehicle emission norms in Germany affecting demand, tighter monetary and financial conditions in developed world. The global growth rate is now estimated by the IMF at 3.6% in 2018. During FY 2018-19, the domestic economy also witnessed moderation in growth rate and the GDP growth rate came down from 8.0% in Q1 to 6.6% in Q3, mainly due to lower growth registered by agricultural and manufacturing sector. The inflation during the year FY 2018-19 exhibited a falling trend aided by decline in food inflation and the CPI inflation came down from 4.28% in March, 2018, to 2.86% in March, 2019.

3. Both the Deposits and Advances growth in the Banking Sector remained strong during FY 2018-19. The Deposits grew by 10.0% during the year against 6.2% during FY 2017-18. Similarly, advances grew at 13.2% against 10.0% during FY 2017-18. The G-Sec market, which remained elevated during first half of the year 2018-19, sobered down during second half. The RBI, during the first Half of the year, raised Repo Rate twice on higher inflationary expectation, but subsequently the repo rate was reduced by 25 bps as inflation dipped. The RBI also decided for gradual reduction of SLR from 19.25% in January, 2019 to 18.00% by April, 2020, which will release about ₹ 1 to ₹ 1.5 lakh crore of liquidity into the system.

4. वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान बैंकिंग क्षेत्र की संपूर्ण वित्तीय स्थिति में एनपीए अनुपात में कमी के साथ महत्वपूर्ण सुधार देखा गया। भारत सरकार द्वारा पूंजी के अन्त: प्रवाह तथा कुछ बैंकों (हमारे बैंक सहित) के मामले में ईएसपीएस (ESPS) के रूप में कर्मचारियों के योगदान के परिणाम स्वरूप वर्ष के दौरान विभिन्न बैंकों की पूंजी पर्याप्तता स्थिति में सुधार हुआ है। तथापि कुछ बड़े खातों के विषय में दिवाला और दिवालापन कोड/एनसीएलटी के माध्यम से एनपीए समाधान को ठोस रूप देना बाकी है। आईएल एण्ड एफएस की असफलता के बाद एनबीएफसी क्षेत्र ने गंभीर चलनिधि की कमी का सामना किया जिसको निश्चय ही, आरबीआई और बैंकों की सहायता से दूर किया गया।

5. उपर्युक्त पृष्ठभूमि के विरूद्ध, में आपके समक्ष बैंक द्वारा की गई महत्वपूर्ण पहलों तथा वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान बैंक के प्रदर्शन का उल्लेख करना चाहता हूँ।

6. **बैंक का प्रदर्शन**

बैंक की नवीन पहल व प्रदर्शन के विषय में बताने से पूर्व मैं वित्त वर्ष 2018-19 में आपके बैंक की दो उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डालना चाहता हूं :

- भारत सरकार द्वारा दी गई पूंजी सहायता और एनपीए समाधान हेतु बैंक द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों से आपका बैंक 31 जनवरी, 2019 को पीसीए से बाहर आ गया। आपका बैंक सबसे कम संभव समय में पीसीए से बाहर आ गया है।
- इसके अलावा, वर्ष के दौरान, 95% कर्मचारियों की सहभागिता से बैंक ने ईएसपीएस द्वारा कर्मचारियों से ₹ 500.42 करोड़ का पूंजी निर्माण किया। यह किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा इएसपीएस के माध्यम से जुटाई गई अधिकतम राशि है। इससे बैंक की पूंजी में ₹ 660.80 करोड़ की वृद्धि करने में सहायता मिली।

पिछले 2 वर्षों में, आपके बैंक ने आन्तरिक व्यवस्था, कार्यप्रणाली एवं संरचना को मजबूत करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जो कि निम्नलिखित है :

- समर्पित श्रमशक्ति के साथ **क्षेत्र प्रबंधकों एव स्टार प्राइम वर्टिकल** का निर्माण किया गया। इसके साथ सीमित शाखाओं को संयुक्त किया गया। इनका कार्य, ग्रास रूट स्टार पर कारोबार की निगरानी तथा शाखाओं को सक्रिय करना एवं अन्य बैंकों के द्वारा हमारे अच्छे खातों के अधिग्रहण को रोकना है।
- अनर्जक आस्तियों (एनपीए) तथा दबावग्रस्त आस्तियों पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए **दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन वर्टिकल** का निर्माण किया गया।
- **एआरसी को की जानेवाली आस्तियों की बिक्री** के लिए वसूली नीतियों में संशोधन किया गया तथा बोर्ड द्वारा अनुमोदित गैर-विभेदकारी/ गैर-पक्षपाती विशेष ओटीएस पॉलिसी (स्टार समाधान) तैयार की गयी है।
- वसूली एनपीए को कम करने एवं ऋण निगरानी तथा ट्रिगर प्रबंधन के लिए प्रत्येक अंचल में **'वॉर रूम'** तथा **'वॉच रूम'** का निर्माण किया गया। वर्तमान में **'अर्ली वॉर्निंग सिगनल'** (पूर्व चेतावनी संकेत) पर नज़र रखने के लिए एक तकनीक संचलित ऋण निगरानी प्रणाली कार्यान्वयन में है।
- रियल टाइम धोखाधड़ी निगरानी हेतु अलग 'जोखिम प्रबंधन विभाग' बनाया गया है तथा **''उद्यम-व्यापी धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन'** फ्रेमवर्क की शुरूआत की गई है।
- एचआर के मामले में, स्टाफ की कार्यक्षमता एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए **जॉब फैमिली** की अवधारणा कार्यान्वित की जा रही है तथा सतत आधार पर स्टाफ के कौशल सुधार हेतु **''स्टार एकलव्य''** योजना के अंतर्गत उन्हें उनके कार्य स्थल पर निरंतर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

4. The overall financial health of the Banking Sector witnessed significant improvement during FY 2018-19, with decline in NPA ratios. The Capital Adequacy position of various banks during the year has been bolstered as a result of capital infusion by the Government of India as well as contribution by employees in the form of Employees Stock Purchase Scheme in case of some of the banks (including ours). However, NPA resolution through Insolvency & Bankruptcy Code/NCLT is yet to concretise in certain large account cases. The NBFC sector, following the IL&FS debacle, faced severe liquidity crunch, which was, of course, alleviated with support from RBI and banks.

5. Against the above backdrop, let me present before you major initiatives taken by your bank during the year as well as the highlights of the Bank's performance during FY 2018-19.

6. **BANK'S PERFORMANCE**

Before elaborating on the initiatives and performance, let me highlight two notable achievements of your Bank during FY 2018-19.

- Your Bank came out of PCA with effect from January 31, 2019, with the help of capital support from the Government of India and the Bank's persistent drive towards NPA resolution. Your Bank has been out of PCA during the shortest possible time.
- Secondly, during the year, the Bank raised ₹ 500.42 crore of capital from the employees through **ESPS,** with participation by 95% of employees. It is the highest amount raised through ESPS by any public sector bank. This has helped in augmenting the Bank's capital by ₹ 660.80 crore.

Over the last 2 years, your Bank has launched various initiatives to strengthen internal systems, procedures and structures. These are:

- **Area Managers** & **Star Prime Vertical** created with dedicated manpower, mapped to limited branches for activation and monitoring of business at grass root level and prevention of poaching of good accounts by other banks.
- **Stressed Asset Management Vertical** was created to have focused attention on NPAs and Stressed Assets.
- Recovery Policies modified for **sale of Assets to ARCs** and Special Non-discretionary/Non-discriminatory Board approved **OTS policies (Star Samadhan)** formulated.
- **'War Room'** and **'Watch Room'** formed in each Zone for Recovery, NPA reduction and credit monitoring and trigger management. Now, a tech-driven Credit Monitoring System for tracking of **'Early Warning Signals'** is under implementation.
- Creation of a separate 'Fraud Risk Management Dept' and **"Enterprise wide Fraud Risk Management"** framework initiated for real-time fraud monitoring.
- On HR front, to enhance efficiency and productivity, **Job family** is being implemented and regular training of staff at their place of work is being imparted under the scheme **"Star Eklavya"** for upgradation of skill on continuous basis

- **आरएएम कारोबार** (अर्थात रिटेल, कृषि एवं एमएसएमई) बढ़ाने, कॉरपोरेट क्रेडिट पर निर्भरता को कम करने तथा जोखिम संकेन्द्रण से बचने तथा पूंजी संरक्षण के लिए **11 अतिरिक्त खुदरा व्यावसायिक केंद्र(आरबीसी) तथा 28 नए एसएमई सिटी सेंटर खोले गए हैं।** अब बैंक के पास 60 आरबीसी तथा 57 एसएमई सिटी सेंटर उपलब्ध हैं। इसी प्रकार, सभी अंचलों में 255 अलग **गोल्ड लोन** सेल गठित किए गए हैं।
- फिनेकल 7 से **फिनेकल 10** में तकनीकी प्लेटफॉर्म अपग्रेड करने के लिए **'स्टार महाशक्ति'** परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। वर्ष के दौरान, बैंक द्वारा एक नए **मोबाइल एप** की शुरूआत की गई, जो ग्राहकों द्वारा खूब सराहा जा रहा है।
- **255** चयनित शाखाओं को **स्टार डिजी** शाखाओं में परिवर्तित किया गया है जिनमें युवा ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए ग्राहक सेवा प्रतिनिधि उपलब्ध हैं। ग्राहक सेवा श्रेष्ठता का प्रदर्शन करने वाली इन शाखाओं को धीरे-धीरे **आइकॉनिक** शाखाओं में परिवर्तित कर दिया जाएगा।
- जहां बैंक की कोई शाखा नहीं है वहाँ कारोबार की संभावनाएं तलाशने के लिए **स्टार प्वाइंट** नामक कारोबार प्रतिनिधि आधारित आउटलेट खोले गए हैं। अब तक, **1919 स्टार प्वाइंट** खोले गए हैं।
- परिचालन लागत कम करने तथा लाभप्रदता बढ़ाने के लिए **एटीएम के साथ-साथ घरेलू व विदेशी शाखाओं का रेशनलाइजेशन किया जा रहा है।** वर्ष 2018-19 के दौरान, 36 घरेलू शाखाओं को बंद या उनका विलय किया गया है तथा 1269 एटीएम बंद किए गये हैं। विदेशी कार्यालयों के रेशनलाइजेशन की प्रक्रिया जारी है। बंद करने के लिए चिह्नित 12 कार्यालयों में से, अब तक 5 कार्यालयों को बंद/विलय कर दिया गया है, अन्य चिह्नित कार्यालयों को बंद करने की प्रक्रिया चल रही है।

उपलब्धियाँ

- परिचालन लाभ चौथी तिमाही 2018 में. ₹ 1,172 करोड़ से बढकर चौथी तिमाही 2019 में ₹ 2,303 करोड़ हुआ।
- शुद्ध निवल चौथी तिमाही मार्च 2018 में ₹ (-) 3,969 करोड़ से बढकर चौथी तिमाही मार्च 2019 में ₹ 252 करोड़ हुआ।
- थोक जमा राशियाँ मार्च 2018 मे ₹ 40,773 करोड़ से घटकर मार्च 2019 में ₹ 190,30 करोड़ हुई।
- जोखिम भारित आस्तियां (आरडब्ल्यूए) मार्च, 2018 के ₹ 3,17,546 करोड़ से घटकर मार्च 2019 में ₹ 3,05,953 करोड़ हो गई, अर्थात इनमें ₹ 11,593 करोड़ अथवा 3.65% की उल्लेखनीय रूप से कमी आई। घरेलु अग्रिम भी मार्च 2018 में ₹ 2,93,500 करोड से बढकर मार्च 2019 में ₹ 3,28,137 करोड़ हुए।
- निवल एनपीए अनुपात मार्च 2018 के 8.26% से घटकर मार्च 2019 में 5.61% हो गया।
- मार्च, 2018 में आरएएम अग्रिम स्तर ₹ 1,50,924 करोड़ था जो, मार्च 2019 में बढ़कर ₹ 1,61,425 करोड़ हो गया।
- घरेलू कासा (चालू खाता एवं बचत खाता) का प्रतिशत मार्च 2018 के 41.43% से बढ़कर मार्च 2019 में 43.36% हो गया।

- For expansion of **RAM Business** and reducing dependence on Corporate credit, avoiding concentration risk and conserving capital, **additional 11 Retail Business Centres (RBCs) and 28 new SME City Centres** opened. Now, the Bank is having 60 RBCs and 57 SME City Centres. Similarly, separate 255 **Gold Loan** cells were formed in all Zones.
- The Project **'Star Mahashakti'** for upgradation of technology platform from Finacle 7 to **Finacle 10** is being implemented. During the year, a new **Mobile App** was introduced by the Bank, which has been well appreciated by the customers.
- **255** Select Branches have been converted to **Star Digi** Branches having Customer Services Representatives for meeting the demands of Next Gen Customers. These branches gradually would be made **Iconic** branches representing Customer Services Excellence.
- For tapping business potential where the Bank has no branches, Business Correspondent based outlets called **Star Points** have been opened. So far, **1919 Star points** have been opened.
- **Rationalisation of Domestic and Overseas branches as well as ATM** for reduction of operating cost and increase in profitability. During 2018-19, closure/merger of 36 domestic branches was undertaken and 1269 ATMs were closed down. The rationalisation of overseas offices are in process. Out of 12 offices identified for closure, 5 offices have been closed/merged so far and closure of other identified offices is in process.

Mile Stones reached

- Operating profit increased from ₹ 1,172 Cr in Q4-2018 to ₹ 2303 Cr in Q4-2019.
- Net profit increased from ₹ (-) 3,969 Cr in Q4 March-2018 to ₹ 252 Cr in Q4 March-2019.
- Bulk deposit reduced from ₹ 40,773 Cr in March 2018 to ₹ 19,030 Cr in March 2019
- Risk Weight Assets (RWAs) reduced significantly from ₹ 3,17,546 crore in March, 2018 to ₹ 3,05,953 crore in March, 2019, i.e. by ₹ 11,593 crore or 3.65% even though domestic advances has increased from ₹ 293,500 Cr in March-2018 to ₹ 328,137 Cr in March-2019.
- Net NPA ratio brought down from 8.26% in March 2018 to 5.61 in March 2019.
- RAM Advances level, which was ₹ 1,50,924 crore in March ,2018 increased to ₹ 1,61,425 crore in March 2019
- Domestic CASA %age went up from 41.43% in March, 2018 to 43.36% in March, 2019.

- वैश्विक एनआईएम में वित्तीय वर्ष 2017-18 के 1.92% की अपेक्षा वित्तीय वर्ष 2018-19 में 2.56% सुधार हुआ। इसी प्रकार, उसी समयावधि में घरेलू एनआईएम 2.31% से बढ़कर 3.03% हो गया।
- प्रावधान कवरेज अनुपात, मार्च 2018 के 65.85% से सुधारकर मार्च 2019 में 76.95% हो गया।
- एनसीएलटी (आईबीसी) के अंतर्गत समाधान : ₹ 30,709 करोड़ की बकाया राशि के 223 खाते एनसीएलटी को संदर्भित किये गये हैं। इनके विरूद्ध बैंक ने 88% प्रावधान किये हैं। वर्ष के दौरान, एनसीएलटी को संदर्भित किये गये मामलों से ₹ 2008.63 करोड़ वसूल किए गए।

7. मैं आपके बैंक के निदेशक मंडल के सभी निदेशकों के बहुमूल्य योगदान हेतु उनके प्रति आभार प्रकट करता हूँ जिसमें निदेशक श्री एस.सी. मुर्मू भी शामिल हैं, जो वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान अपने पद से निवृत्त हुए। बैंक भारत सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक, सेबी, विदेशी नियंत्रक और अन्य विनियामक प्राधिकरणों को भी उनके उत्तम सहयोग तथा मार्गदर्शन हेतु धन्यवाद करता है। मैं बैंक की ओर से और अपनी ओर से अपने कारोबारी सहयोगियों, ग्राहकों, विदेशी ग्राहकों सहित, शेयर धारकों और हितधारकों, वित्तीय संस्थाओं और प्रतिनिधि बैंकों के हमारे प्रति विश्वास, भरोसे एवं सहयोग हेतु उनके प्रति आभार प्रकट करता हूं और उनके सतत संरक्षण, मार्गदर्शन एवं सहयोग की कामना करता हूं। अंत में मैं अपने प्रतिबद्ध स्टाफ सदस्यों के ईमानदार और निष्ठापूर्ण प्रयासों की सराहना करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित,

दीनबंधु मोहापात्रा

प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी

- Global NIM improved from 1.92% for FY 2017-18 to 2.56% for FY 2018-19. Similarly, Domestic NIM went up from 2.31% to 3.03% for the relative periods.
- Provision Coverage Ratio, improved from 65.85% in March 2018 to 76.95% in March, 2019.
- Resolution under NCLT (IBC): 223 accounts involving o/s of ₹ 30,709 crore have been referred to NCLT against which Bank has made 88% provisions. During this year, ₹ 2008.63 crore has been recovered from NCLT referred cases.

7. I wish to place on record the valuable contribution made by the directors on your Bank's Board including the Director Shri G. C. Murmu who demitted office during FY2017-2018. The Bank also thanks the Government of India, Reserve Bank of India, SEBI, Overseas regulators and other regulatory authorities, who have provided excellent support and valuable guidance. On behalf of the Bank and on my personal behalf I would like to thank our Business Associates, Customers including overseas customers, Shareholders and Stakeholders, Financial Institutions and Correspondent Banks for their trust, faith and active association and look forward to their continued patronage, guidance and support. Last, but not the least, I also place on record my appreciation for the sincere and unstinted efforts put in by our committed staff members.

With warm regards

Dinabandu Mohapatra

Managing Director & CEO